आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

05.09.2024 समय : 1850

- अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कुपोषण माह मनाए जाने के सिलसिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।
- शिक्षक दिवस के अवसर पर आज द्वीपसमूह के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- अण्डमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं।
- नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों विभाग की ओर से दक्षिण और मध्योत्तर अंडमान के ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है।
- द्वीपसमह के कुछ भागों में वर्षा हुई।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह में कुपोषण माह मनाए जाने के सिलसिले में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और इन कार्यक्रमों के माध्यम से उचित पोषाहार के बारे में जागरूकता उत्पन्न की जा रही है। समाज कल्याण विभाग की स्वाथ्स्य व पोषाहार की परामर्शदाता सारिका वर्मा ने बताया कि इन कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों का भी सहयोग लिया जा रहा है, ताकि द्वीपसमूह को कुपोषण मुक्त किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष दो हजार अट्ठारह में राजस्थान के झुनझुनु से पोषण अभियान की शुरूआत की थी और तब से लेकर हर वर्ष यह अभियान चलाया जा रहा है।
श्रीमती सारिका वर्मा से की गई बातचीत का विस्तृत ब्यौरा आप हमारे आमने–सामने कार्यक्रम में सुन सकते हैं। इसे शनिवार सात तारीख को शाम साढ़े छः बजे प्रसारित किया जाएगा।

<><><><><><><>

शिक्षक दिवस के अवसर पर आज द्वीपसमूह के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुरू–शिष्य परंपरा का पालन करते हुए विद्यार्थियों ने शिक्षकों को स्नेहपूर्वक उपहार भेंट किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में आज शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. एस जे मैथ्यू मुख्य अतिथि थे। उन्होंने न केवल छात्रों के चरित्र को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, बल्कि छात्रों की उत्साही भागीदारी के लिए उनकी प्रशंसा भी की। प्रभारी प्राचार्या डॉ. मंजुलता राव ने शिक्षकों के आदर्शपूर्ण जीवन और उनके कर्तव्यों के बारे में बताया। समाज के निर्माण में शिक्षकों के योगदान पर बल देते हुए छात्रों के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में कॉलेज पत्रिका 'कैम्पस इनसाइड' का मुख्य अतिथि द्वारा अनावरण भी किया गया।

<><><><><><><>

अण्डमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने मूर्ति बनाने और विसर्जन को लेकर जारी किए गए दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की हैं। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश की अनुपालना में जारी किए गए, अण्डमान निकोबार मूर्ति विसर्जन नियम दो हजार अट्ठारह में इसका उल्लेख किया गया है। इसके अंतर्गत कुछ नियम बनाए गए है। जैसे मूर्ति को शास्त्रों में वर्णित प्राकृतिक पदार्थो से बनाया जाना चाहिए। मूर्ति निर्माण में पारम्परिक मिट्टी का उपयोग होना चाहिए। मूर्ति बनाने मे प्लास्टर ऑफ पेरिस को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है, जब तक कि इसका पानी की गुणवत्ता और जलीय जैव–विविधता पर कोई नकारात्मक असर न पड़े। मूर्तियों को रंगने से परहेज किया जाना चाहिए। अगर

रंगो का प्रयोग किया जाना है, तो यह पानी में घुलनशील होने के साथ ही विषाक्त नहीं होने चाहिए। विसर्जित की जाने वाली मूर्तियों की रंगाई में सिनथैटिक रंगों का इस्तेमाल निषेध है। मूर्तियों की लम्बाई बीस फीट से अधिक नहीं होनी चाहिए। मूर्ति के संपूर्ण ढांचे को चालीस फीट से कम का रखना चाहिए। पूजा के लिए इस्तेमाल होने वाले फूल, वस्त्र, साज–सजावट के अन्य सामानों को विसर्जन से पूर्व हटा देना चाहिए। जैविक और अन्य पदार्थों को अलग–अलग एकत्र कर इनका निस्तारण करना चाहिए। उत्सव के दौरान एकल इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए। विसर्जन का कार्य उच्च ज्वार रेखा और निम्न ज्वार रेखा के बीच केवल चिन्हित स्थानों पर ही किया जाएगा। समिति ने एक जन–सूचना जारी कर सभी मूर्ति निर्माता और पूजा समितियों से इन दिशा–निर्देशों का पालन करने को कहा है।

<><><><><><><>

आम जनता की सुविधा के लिए नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों विभाग की ओर से दक्षिण और मध्योत्तर अंडमान के ग्राम पंचायतों में विशेष आधार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कल दक्षिण अंडमान के मीठाखाड़ी के अलावा मध्योत्तर अंडमान के पर्णशाला में शिविर लगेगा। दस और ग्यारह सितम्बर को टुसनाबाद, बारह और तेरह सिम्बर को वृंदावन तथा सबरी, सत्रह और अट्ठारह सितम्बर को कन्यापुरम, उन्नीस और बीस सितम्बर को मनारघाट तथा रामपुर में शिविर लगेगा। अन्य क्षेत्रों में भी इस माह अलग–अलग तारीखों में शिविर लगाया जाएगा।

<><><><><><><>

मत्स्य विभाग के मरीन हिल स्थित मत्स्य पालन प्रशिक्षण केन्द्र के परिसर में एक पुस्तकालय स्थापित किया गया है। इसमें मत्स्य पालन जीव विज्ञान, शिल्प और गियर प्रौद्योगिकी, पोस्ट हारवेस्ट से संबंधित पत्रिकाओं और अन्य पठन सामग्री का अच्छा संग्रह है। इन पुस्तकों को पढ़ने के इच्छुक विद्यार्थी, शोधकर्ता या आम जनता किसी भी कार्यदिवसों के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे से पांच बजे के बीच पुस्तकालय में आ सकते हैं।

<><><><><><><>

उद्योग निदेशालय और एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज द्वारा कल मिडिल प्वाइंट स्थित उद्योग निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में एकीकृत लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म प्रशासन के साथ एकीकरण पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज भारत सरकार का एक संयुक्त उद्यम है, जिसका प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट और जापानी आईटी प्रमुख एनईसी कॉरपोरेशन करता है। कार्यशाला का आयोजन यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी देने और यूएलआईपी योजना के बारे में जागरूक करने के लिए किया गया था। कार्यशाला में प्रशासन के विभिन्न विभागों, कॉरपोरेशन के अधिकारियों सहित द्वीप समूह के विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। इस अवसर पर उद्योग निदेशक अभिषेक भूकल ने अधिकारियों को इस कार्यशाला का लाभ उठाने और लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाओं को सरल बनाने के अपने दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहने की सलाह दी। एनएलडीएस के संचालन प्रमुख अतनु मन्ना ने बताया कि यूलिप भारत के लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को बदलने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाइटी ग्यारह सितम्बर को सुबह छः बजे नेताजी स्टेडियम से पांच किलोमीटर दौड़ का आयोजन करेगा। कॉलेज विद्यार्थियों और आम जनता के लिए आयोजित होने वाले इस दौड़ का उद्देश्य एच आई वी और एड्स के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। दौड़ सुबह साढ़े पांच बजे नेताजी स्टेडियम से आयोजित होगी।

<><><><><><><>

आई टी आई पोर्ट ब्लेयर, एरोंग और वी टी आई बकुलतला में प्रवेश के लिए पहले चरण के परामर्श की सारणी घोषित कर दी गई है। आई टी आई डॉलीगंज मे नौ से तेरह सितम्बर तक और अन्य दो संस्थानों पर सत्रह और अट्ठारह सितम्बर को परामर्श का कार्यक्रम रखा गया है।

<><><><><><><>

द्वीपसमह के कुछ भागों में वर्षा हुई। पोर्ट ब्लेयर में आज सुबह साढ़े आठ बजे तक तेरह दशमलव तीन मिलीमीटर, मायाबंदर में दस दशमलव दो, लांग आइलैंड में छः दशमलव छः, कार निकोबार में छः और वायु सेना केन्द्र कार निकोबार में चार मिलीमीटर वर्षा हुई। ननकौड़ी में भी एक मिलीमीटर वर्षा हुई। खराब मौसम को देखते हुए मछुआरों को नौ सितम्बर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

<><><><><><><>